RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 120
दि. 30.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री ने भारत-जापान आर्थिक फोरम में भाग लिया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री श्री शिगेरु इशिबा ने 29 अगस्त 2025 को टोक्यो में भारतीय उद्योग परिसंघ और कीदानरेन [जापान व्यापार महासंघ] द्वारा आयोजित भारत-जापान आर्थिक फोरम में भाग लिया। भारत-जापान बिजनेस लीडर्स फोरम के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सहित भारत और जापान के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों ने बैठक में भाग लिया।

अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी, विशेष रूप से निवेश, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की सफलता पर प्रकाश डाला। जापानी कंपनियों को भारत में अपनी उपस्थिति और भी अधिक बढ़ाने के लिए आमंत्रित करते हुए, उन्होंने कहा कि भारतीय विकास की गाथा उनके लिए उत्कृष्ट अवसर प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान अशांत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ में विश्वसनीय मित्रों के बीच गहरी होती आर्थिक साझेदारी विशेष रूप से प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत पूवार्नुमान, सुधारों को लेकर प्रतिबद्धता और कारोबारी सुगमता के प्रयासों ने भारतीय बाजार में निवेशकों को एक नया विश्वास कायम किया है, जो वैश्विक एजेंसियों द्वारा भारत की नवीनतम क्रेडिट रेटिंग में सुधार से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

भारत और जापान के बीच अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, विनिर्माण, निवेश और मानव संसाधन सम्बंधी आदान-प्रदान में सहयोग की महत्वपूर्ण क्षमता के बारे में बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक विकास में लगभग 18 प्रतिशत योगदान दे रहा है और कुछ वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच परस्पर सहयोग को देखते हुए, उन्होंने मेक इन इंडिया और अन्य पहलों की दिशा में जापान और भारत के बीच और भी अधिक व्यापारिक सहयोग के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। वे क्षेत्र हैं: बैटरी, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, जहाज निर्माण और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विनिर्माण;‌] एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष और जैव प्रौद्योगिकी सहित प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग;‌] हरित ऊर्जा परिवर्तन;अगली पीढ़ी का इन्फ्रास्ट्रक्चर, जिसमें आवागमन, हाई स्पीड रेल और लॉजिस्टिक शामिल हैं; और कौशल विकास और जन-जन

प्रधानमंत्री श्री इशिबा ने अपने संबोधन में, सशक्त आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण हेतु भारतीय प्रतिभाओं और जापानी प्रौद्योगिकी के बीच साझेदारी बनाने में जापानी कंपनियों की रुचि का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा लोगों को राहत सामग्री वितरित की

(जीएनएस)।

लखनऊ : (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद वाराणसी में जे0पी0 मेहता इण्टर कॉलेज परिसर में बनाए गए राहत शिविर में बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा लोगों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावितों के साथ ही राहत शिविर में आश्रय लिए लोगों का पूरा ख्याल रखा जाए तथा सभी बुनियादी सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध करायी जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर स्थित विस्तार भवन में भारत सरकार के सहयोग से चल रहे राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के अन्तर्गत दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण कार्यों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। उन्होंने पाण्डुलिपियों के संरक्षण कार्यों में तीव्रता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने निमार्णाधीन विश्व के तीसरे और भारत के पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने निर्माण कार्य तेजी से व गुणवत्ता के साथ कराए जाने के निर्देश दिए।

ज्ञातव्य है कि लगभग 645 करोड़ रुपये लागत की यह परियोजना भारत सरकार की ‘पर्वतमाला योजना’ के तहत बनायी जा रही है। इसका उद्देश्य शहर में यातायात की भीड़ को कम करना है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए यात्रा सुगम हो सके। यह रोपवे लगभग 4.2 किलोमीटर लम्बा है, जो कैण्ट रेलवे स्टेशन (वाराणसी जंक्शन) को चर्च स्क्वायर (गोदौलिया) से जोड़ेगा। इसमें लगभग 220 केबल कार या ट्रॉली कार होंगी, जिनमें से प्रत्येक में 10 यात्री बैठ सकेंगे। यह रोपवे माल और यात्रियों की परिवहन आवश्यकताओं

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर शुभकामनाएं दीं; मेजर ध्यानचंद को श्रद्धासुमन अर्पित किए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। प्रतिवर्ष 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। भारत के उभरते खेल परिदृश्य का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने खेल और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने, एथलीटों के लिए संस्थागत समर्थन को मजबूत बनाने और देश भर में आधुनिक प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धा स्थलों तक पहुंच बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली में ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर शिखर सम्मेलन 2025 की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्री प्रतापराव जाधव ने आज नई दिल्ली में 'परम्परागत प्रथाओं और नवाचार को जोड़ना' विषय पर आयोजित ब्रिक्स सीसीआई हेल्थकेयर शिखर सम्मेलन 2025 की अध्यक्षता की।

गणेश उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के एक-तिहाई और विश्व व्यापार के पांचवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स को समावेशी और स्थायी विकास में तेजी लाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

राज्य मंत्री श्री जाधव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने अनुसंधान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, औषधि उत्पादन और मजबूत नियामक तंत्र पर केन्द्रित एक व्यापक आयुष इकोसिस्टम विकसित किया है। आज भारत में 1,000 से ज्यादा आयुष कॉलेज हैं, जिनमें 500 से ज्यादा आयुर्वेद संस्थान शामिल हैं, जिन्हें एक व्यापक अनुसंधान नेटवर्क का सहयोग प्राप्त है।

मंत्री ने आयुष प्रणालियों की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति का उल्लेख किया - जिसमें ब्राजील में आयुर्वेदिक चिकित्सकों के समुदाय से लेकर रूस के स्वास्थ्य देखभाल ढांचे में आयुर्वेद का समावेश और चीन में पारंपरिक चिकित्सा की समानांतर उन्नति शामिल है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आयुर्वेद और योग का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन समावेशी, नैतिक और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी, डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार, न्यूट्रास्युटिकल अनुसंधान और उद्यमियों, नवप्रवर्तकों और किसानों को मान्यता देने पर ज्यादा ध्यान देने का आह्वान किया।

भारतीय वायु सेना ने उत्तरी पंजाब और जम्मू में बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव अभियान तेज किया

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 27 अगस्त, 2025 से उत्तरी भारत में बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को तेज कर दिया है और गंभीर रूप से प्रभावित जम्मू तथा पंजाब जैसे क्षेत्रों में अपने अभियान को आगे बढ़ाते ध्यान केंद्रित किया है।

चल रहे हवाई अभियान

एमआई 17 और चिनूक हेलीकॉप्टरों ने डेरा बाबा नानक, पठानकोट व अखनूर सेक्टरों में जलमग्न क्षेत्रों से भारतीय सेना तथा सीमा सुरक्षा बल के कर्मियों सहित फंसे हुए नागरिकों को निकालने के लिए 55 से अधिक उड़ानें संचालित की हैं।

राष्ट्रपति ने स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में सीपीएसई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे: राष्ट्रपति मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज (29 अगस्त, 2025) नई दिल्ली में वर्ष 2022-23 के लिए स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार देश के विकास में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के महत्वपूर्ण योगदान का उत्सव हैं। सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय, तकनीकी और नैतिक - सभी मानदंडों पर अच्छा प्रदर्शन एक अच्छे उद्यम की पहचान है। उन्होंने सतत विकास, कॉर्पोरेट प्रशासन, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और नवाचार जैसे कई आयामों में अच्छे प्रदर्शन को सम्मानित करने के लिए स्कोप की सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि यह प्रगति और विकास के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण को दशार्ता है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने औद्योगीकरण, अवसंरचना विकास, सामाजिक उत्थान और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नींव रखी है। समय के साथ इन उपक्रमों ने स्वयं को विकसित किया और बदला है। सरकार और समाज की इनसे अपेक्षाएं भी बदली हैं। राष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इन सभी परिवर्तनों के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने प्रदर्शन के जरिए से आर्थिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आर्थिक और वित्तीय योगदान के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने संतुलित और समावेशी विकास को भी प्राथमिकता दी है तथा राष्ट्रीय लक्ष्यों को सर्वोपरि रखा है। उनके योगदान और भूमिका को देखते हुए यह कहना उपयुक्त है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम देश और जनता के लिए विकास के उत्प्रेरक तथा समृद्धि के स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि इन उद्यमों ने प्रशासन और पारदर्शिता के कई अच्छे उदाहरण और मॉडल भी प्रस्तुत किए हैं।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' जैसे राष्ट्रीय अभियानों में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी वायु रक्षा नियंत्रण एवं रिपोर्टिंग प्रणाली - आकाशतीर ने अपनी अचूक क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने उल्लेख किया कि इस प्रणाली के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने भूमिका निभाई है और ये सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए विशेष गर्व की बात है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर नवाचार और भारत की बढ़ती प्रौद्योगिकी संबंधी आत्मनिर्भरता में सार्वजनिक उद्यमों का योगदान सिद्ध हुआ है। कृषि, खनन और अन्वेषण, विनिर्माण, प्रसंस्करण एवं उत्पादन तथा सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्र ने वित्तीय राहत प्रदान करते हुए, बोरियों के उपयोग शुल्क में लगभग 40% की वृद्धि की: उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने आज कहा कि केंद्र सरकार ने देश में राज्य सरकारों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए बोरियों के उपयोग शुल्क में लगभग 40% की वृद्धि की है।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य खरीद संचालन को सुचारू बनाना है जिससे सतत पैकेजिंग प्रथाओं को समर्थन मिल सके तथा इससे खाद्यान्न खरीद एवं वितरण में केंद्र-राज्य सहयोग भी मजबूत होगा।

लोक सभा अध्यक्ष ने विधि निमार्ताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज विधिनिमार्ताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया । उन्होंने विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में कमी और विधायी निकायों में सदस्यों के अमर्यादित आचरण पर क्षोभ व्यक्त किया। भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधानमंडलों में चर्चा-संवाद का स्तर कम होना चिंता का विषय है ।

श्री बिरला ने संविधान के कालातीत मूल्यों के बारे में बात करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय और अवसर की समानता न केवल हमारे संविधान की विशेषता है, बल्कि पिछले 75 वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का मार्गदर्शन भी कर रही है ।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि वह एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और वंचित वर्ग मयार्दा, सम्मान और समान अवसरों के साथ रह सकें। श्री बिरला ने आगे कहा कि दशकों में इस विजन को ठोस रूप दिया गया है, जिससे इन समुदायों के सदस्य भारत के राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों तक देश के सर्वोच्च पदों पर आसीन हैं जिससे भारत के लोकतन्त्र की परिपक्वता और समावेशिता का परिचय मिलता है ।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों का पहला सम्मेलन 1976 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इसके बाद, 1979, 1983, 1987 और 2001 में सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और संवैधानिक सुरक्षोपायों के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा की गई । इस सम्मेलन का आयोजन दिल्ली से बाहर पहली बार किया जा रहा है।

श्री बिरला ने कल्याणकारी योजनाओं को समाज के वंचित वर्गों तक सही मायने में पहुँचाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया और समावेशी विकास को गति देने में वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने बेंगलुरु, कर्नाटक में किया आईसीएआर के संस्थानों का दौरा

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बेंगलुरु में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों का दौरा कर समीक्षा बैठक ली, साथ ही किसानों, पशुपालकों, स्टार्टअप चलाने वाले उद्यमियों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान श्री शिवराज सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत अब किसी पर निर्भर नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि रखते हुए हम किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग का मॉडल बना रहे हैं, वहीं किसानों को सावधान करते हुए वे बोले कि पेस्टीसाइड से मित्र कीट, धरती और मनुष्यों के स्वास्थ्य को खतरा है, कीटों के माध्यम से पेस्टीसाइड का उपयोग कम किया जाएगा। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने कहा कि पशुपालकों को पशुओं में फैलने वाली बीमारी के बारे में पूर्व सूचना देकर बचाव के उपाय किए जाएंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह आईसीएआर के राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान की गतिविधियों की जानकारी ली और यहां किसानों व पशुपालकों सहित अन्य हितधारकों से संवाद करते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत मजबूत है और कोई भारत पर दबाव नहीं डाल सकता, हम स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं, हमारे फैसले हम खुद करेंगे। हमें दुनिया की कोई ताकत निर्देशित नहीं कर सकती। श्री शिवराज सिंह ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि दुनिया के एक देश ने कोशिश की, कि समझौता हो जाएं तो हमने कह दिया कि हमारे लिए हमारे देश के हित सर्वोपरि हैं, किसानों के हितों से हम कोई समझौता नहीं करेंगे।

सम्पादकीय

सूरत के हीरा उद्योग पर भी यूएस के टैरिफ की मार

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ बुधवार को लागू हो गया। इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ बढ़कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को दिए जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न आभूषण, झींगा, चमड़ा, टेक्सटाइल इत्यादि बहुत से उद्योगों पर सीधा असर पड़ेगा। मैंने वुछ दिन पहले हरियाणा के उद्योगों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन किया था। आज मैं गुजरात के सूरत हीरा उद्योग के बारे में बताने का प्रयास करूंगा। सूरत दुनिया में हीरा की कटिंग और पालिशिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इस उद्योग पर निर्भर रहने वाले लोग मुश्किल में हैं। 50 फीसदी टैरिफ ने इस क्षेत्र के व्यापारियों के साथ-साथ मजदूरों को भी चिंता में डाल दिया है। हीरा उद्योग से जुड़े 25 लाख से ज्यादा कामगार इससे प्रभावित हो सकते हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगाने का असर सबसे ज्यादा इस क्षेत्र पर पड़ रहा है क्योंकि सूरत का हीरा उद्योग अमेरिका के किए जाने वाले निर्यात पर ज्यादा निर्भर है। वुछ लोगों का मानना है कि अगर टैरिफ कम नहीं किया गया तो कई व्यापारी हीरा उद्योग से बाहर हो जाएंगे। कई लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और भयंकर मंदी आ जाएगी। हालांकि दूसरी ओर हीरा उद्योग से जुड़े संगठन जैसे सूरत डायमंड एसोसिएशन और साउथ गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से वुछ मंदी आएगी लेकिन समय के साथ स्थिति स्थिर हो जाएगी क्योंकि भारत को हीरा उद्योग की जितनी जरूरत है, अमेरिका में भी हीरों की उतनी ही मांग है। इसलिए वहां के लोग, व्यापारी भी इस समस्या का समाधान चाहते हैं। सूरत की कई छोटी पैक्ट्रियों में 20 से 200 श्रमिक तक काम करते हैं। राज्यों में तो यह संख्या 500 तक होती है और सूरत में ऐसी हजारों पैक्ट्रियां हैं। हाल ही में कई लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। सूरत में कई छोटी-बड़ी पैक्ट्रियों का यह हाल है कि 20 साल पहले शैलेश मंगुकिया ने सिर्प एक पॉलिशिंग व्हील (चक्की) से हीरा पालिश करने की एक यूनिट शुरू की थी जो अब इतनी बड़ी हो गईं कि यहां कामगारों की संख्या 3 से बढ़कर 300 हो गईं, हालांकि अब इस पैक्ट्री में सिर्प 70 लोग ही बचे हैं। वे कहते हैं कि सारे आर्डर वैंसल कर दिए गए है। मजदूरों को कहना पड़ रहा है कि काम नहीं है। आर्डर नहीं होने की वजह से काम नहीं है और काम न होने की वजह से सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। पिछले साल अगस्त में उनकी पैक्ट्री में हर महीने औसतन 2000 हीरों की प्रोसेसिंग हो रही थी। लेकिन इस साल घटकर मात्र 300 रह गईं है। श्रमिक सुरेश राठौर ने कहा, आमतौर पर हमें जन्माष्टमी के दौरान सिर्प 2 दिन की छुट्टी मिलती थी, इस बार हमें 10 दिन की बिना वेतन छुट्टी दी गईं। हम ऐसे वैसे रह सकते हैं? सुरेश राठौर जैसे कई कारीगर हैं, जो इस तरह प्रभावित हो रहे हैं। सूरत डायमंड पालिशर्स यूनियन के भावेश टांक कहते हैं कि हमारे पास इस समय बहुत से जौहरी शिकायत लेकर आ रहे हैं कि उनका वेतन कम कर दिया गया या उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। हजारों मजदूरों की आमदनी कम हो रही है। उद्योग जगत के नेताओं ने एक स्पेशल डायमंड टास्क फोर्स बनाई है। जो इस स्थिति का समाधान निकालने की कोशिश करेगी। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष निखिल मद्रासी ने इस बारे में बीबीसी से कहा, अमेरिकी बाजार पर भारी निर्भरता के कारण लंबे समय में बड़ा झटका लगेगा। पुराने आर्डर पूरे हो गए हैं, लेकिन नए आर्डर का भविष्य अस्पष्ट है। सरकार को तुरंत मदद करनी होगी। उन्होंने कहा कि कई व्यापारी मध्य पूर्व और यूरोप जैसे बाजारों में अवसर तलाश रहे हैं और वुछ तो बाईपास मार्गों के जरिए अमेरिका तक माल पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार अब अलग- अलग यूरोपीय देशों में नए बाजारों की तलाश करने की जरूरत है।

सवाल यह है कि सूरत के हीरा उद्योग को वैसे बचाया जा सकता है? इस उद्योग जगत के वुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल महाकुंभ-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरूआत की

गांधीनगर, 29अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की जयंती पर देश भर में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गुजरात के सबसे बड़े खेल उत्सव 'खेल महाकुंभ-2025' के लिए रजिस्ट्रेशन का प्रारंभ किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ गुजरात की ओर से अहमदाबाद के कर्णावती क्लब में अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर खेल क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाले खेल जगत से जुड़े 20 लोगों को अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि खेल भावना किसी भी खेल का एक अनिवार्य पहलू है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ गुजरात की ओर से खेल क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले महानुभावों को सम्मानित करने का कार्यक्रम हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस इस वर्ष गुजरात के लिए काफी अहम है, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कॉमनवेल्थ खेल 2030 के लिए अहमदाबाद की दावेदारी को मंजूरी दी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और उत्साही खेल संस्कृति वाला अहमदाबाद इस खेल के आयोजन के लिए एक आदर्श मेजबान शहर होगा।

गुजरात में खेल संस्कृति के संबंध में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात को ढाई दशकों से खेल और फिटनेस को लेकर प्रधानमंत्री के विजन का लाभ मिल रहा है। आज गुजरात में जिस पैमाने पर खेल संस्कृति विकसित हुई है, यह उनके ही विजन का ही परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेले वह खिले' मंत्र के साथ वर्ष 2010 में गुजरात में खेल महाकुंभ की शुरूआत की थी। खेल महाकुंभ 3.0 में रिकॉर्ड ब्रेक 71 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुरू हुए खेल महाकुंभ-2025 के रजिस्ट्रेशन

का उल्लेख करते हुए राज्य के सभी खेल प्रेमियों से इसमें रजिस्ट्रेशन कराने का अनुरोध किया।

राज्य में खेलों के बुनियादी ढांचे और खेल संस्कृति के विकास के बारे में आगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप गुजरात ने खेल क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। आज उभरते खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरण और सुविधाएं तथा प्रशिक्षण आसानी से उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले दो दशक में राज्य में खेलों के बुनियादी ढांचे का निरंतर विकास हुआ है। 2002 में राज्य में 3 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स थे, जबकि आज राज्य के खिलाड़ियों के लिए 24 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अहमदाबाद के नारणपुरा इलाके में 22 एकड़ क्षेत्र में मल्टी यूटिलिटी स्पोर्ट्स सेंटर आकार ले रहा है। यही नहीं, दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के पास 233 एकड़ क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव का निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गत एक दशक में देश की खेल संस्कृति में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद सत्र के दौरान राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित कर खिलाड़ियों के हितों की रक्षा का ऐतिहासिक कदम उठाया है। भारत को वैश्विक खेल जगत का पावर हाऊस बनाने और 2036 के ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों में मजबूत दावेदारी करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स पॉलिसी-2025 भी घोषित की गई है।

मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से देश में ही बने स्वदेशी उत्पाद और खेल सामग्री खरीदकर वोकल फॉर लोकल के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत और विकसित गुजरात से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अनुरोध किया।

राज्य सभा सांसद श्री नरहरिभाई अमीन ने कहा कि आज भारत खेल क्षेत्र में नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है, इसमें गुजरात का भी बड़ा योगदान रहा है। राज्य में खेल गतिविधियों का दायरा बहुत ही प्रशंसनीय तरीके से बढ़ रहा है। इन गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने वाले स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ गुजरात का योगदान भी अहम है। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की है।

पद्मश्री और कॉमनवेल्थ खेलों में स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि गुजरात खेल प्रिय राज्य है। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्हें उपलब्धि हासिल हुई है, वह भी गुजरात में। यह उनके लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील करते हुए कहा कि अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प ही हमारी ताकत है।

80% राष्ट्रीय योगदान और ₹3,995 करोड़ निर्यात के साथ जीरा व्यापार में उंझा का परचम, वीजीआरसी में होगी विशेष चर्चा

ऊंझा से ₹3,995 करोड़ जीरा और मसाला बीजों का निर्यात
पिछले वर्ष की तुलना में उंझा में जीरे की आवक में 17.5% की वृद्धि
गुजरात से जीरा व मसाला बीजों का 101 देशों को निर्यात; प्रमुख बाजार चीन, बांग्लादेश, यूएई, अमेरिका व मोरक्को

गांधीनगर, 29 अगस्त 2025: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के सक्षम नेतृत्व में गुजरात का कृषि क्षेत्र निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। आधुनिक कृषि तकनीकों का अपनाना, सुदृढ़ बाजार ढांचा और वैश्विक व्यापार में सक्रिय भागीदारी ने राज्य को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक मजबूत पहचान दिलाई है।

इसी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले का ऊंझा, जिसने अपनी विशिष्ट पहचान के साथ देश-विदेश के मसाला बाजार में एक मजबूत स्थान बनाया है। भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी उच्च गुणवत्ता वाला जीरा और अन्य मसाला बीजों की निरंतर आपूर्ति करते हुए ऊँझा ने गुजरात की नेतृत्वकारी स्थिति को और सुदृढ़

किया है।

आज, जीरा और अन्य मसाला बीजों के निर्यात में गुजरात का योगदान देश की कुल हिस्सेदारी का लगभग 80% है, जो राज्य के कृषि क्षेत्र की असाधारण सफलता का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2024-25 के आँकड़े बताते हैं कि केवल मेहसाणा जिले से ही लगभग ₹3,995 करोड़ मूल्य के जीरा और अन्य मसाला बीज 101 देशों को निर्यात किए गए। इनमें प्रमुख बाजार चीन (25%), बांग्लादेश (16%), संयुक्त अरब अमीरात (10%), अमेरिका (5%) और मोरक्को (4%) शामिल हैं।

कृषि मंत्रालय के एगमार्कनेट के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 फरवरी से 10 अप्रैल 2025 के बीच उंझा एपीएमसी में 54,410 मीट्रिक टन (एमटी) जीरे की आवक दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की 46,313 एमटी की तुलना में 17.5% अधिक है। यह वृद्धि न केवल किसानों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि उंझा की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का प्रमाण भी है, जिसने इसे मसाला अर्थव्यवस्था का धड़कता हुआ केंद्र बनाए रखा है। यह नेटवर्क हजारों किसानों और व्यापारियों को रोजगार व व्यापारिक अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2023-24 के आधिकारिक पूर्वानुमान के मुताबिक, इस क्षेत्र में कुल 72,100.59 एमटी जीरे का उत्पादन हुआ, जिसमें बनासकांठा 41,800.73 एमटी के साथ पहले और पाटन 29,900.09 एमटी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

दफन सोना, घातक झूठः कलर्स का 'नयनतारा' सामने लाता है परिवार के भीतर छिपे कातिल को

खजाने की खोज पूरी हो चुकी है, लेकिन असली खेल तो अब शुरू हुआ है। कलर्स के शो नयनतारा में जीत का जश्न मनाने का जो पल होना चाहिए था, वही परिवार के लिए सबसे विनाशकारी सच लेकर आता है। नयनतारा (श्रुति बिष्ट द्वारा निभाया किरदार), जिसे परलोक से आवाजें सुनने की अलौकिक शक्ति प्राप्त है, हमेशा इस वरदान का इस्तेमाल लोगों की रक्षा और भलाई के लिए करती आई है। लेकिन लता (नारायणी शास्त्री), जिस पर पूरा परिवार एक आदर्श माँ के रूप में भरोसा करता है—वह नयनतारा की शक्ति का इस्तेमाल अपने खतरनाक खेल के लिए करती रही।

शुरूआत से ही लता का एकमात्र जुनून था—परिवार का खोया हुआ खजाना। उसने नयनतारा की अलौकिक शक्ति को अपनी महत्वाकांक्षा पूरा करने का साधन बना लिया। सुरजो (अर्जुन चक्रवर्ती), जो नयनतारा का पति है, उसकी जान को दांव पर लगाकर लता ने नयनतारा को खजाने की खोज में मजबूर किया। विषैले सांपों और अनगिनत मुश्किलों से लड़ते हुए नयनतारा असंभव को संभव कर दिखाती है और लता को वह सब मिल जाता है जिसकी उसे चाह थी। लेकिन लता को अंदाजा नहीं था कि यही खजाना उसकी बबार्दी का कारण बनेगा, क्योंकि नयनतारा के पास ऐसा दांव था जिसके बारे में लता को कुछ पता ही नहीं था। नयनतारा जानती थी कि ठोस सबूत के बिना कोई भी लता की चालबाजी पर यकीन नहीं करेगा। और सबूत क्या हो सकता था, सिवाय उसी दफन खजाने के, जिसे पूरा परिवार देख सकता था? सबके सामने नयनतारा लता से पूछती है कि उसे क्या दिखाई दे रहा है। यहीं उसका झूठ खुल जाता है, क्योंकि जहाँ सबको सोने के गहने दिखाई देते हैं, वहीं लता को सिर्फ. रेंगते हुए सांप दिखाई देते हैं।

न्याय के उस पल में नयनतारा वह सच उजागर करती है जिसे लता ने सालों से छुपा रखा था। सुरजो की प्यार करने वाली माँ का मुखौटा उतर जाता है और सामने आती है एक कातिल की असली सूरत। परिवार विश्वासघात के इस झटके से हिलकर रह जाता है। सुरजो, जो कभी नयनतारा पर शक करता था, अब उसी से वादा करता है कि वह उसे वह सम्मान और स्थान देगा जिसकी वह हकदार है—उससे दोबारा विवाह करके।

खजाना मिल गया, झूठ का भंडाफोड़ हो गया और प्यार की जीत होती दिखी। लेकिन नयनतारा की दुनिया में कुछ राज कभी चैन से नहीं सोते। अतीत की एक परछाईं फिर लौटने वाली है, और यह होगा अब तक का सबसे बड़ा ट्विस्ट। क्या नयनतारा इस नए तूफान का सामना कर पाएगी?

देखिए 'नयनतारा' रोजाना रात 8:30 बजे, सिर्फ.कलर्स पर

भारतीय महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस-2025) के तत्वावधान में आयोजित 'उभरते हुए नेताओं की पैनल चर्चा' का समापन

(जीएनएस)।

हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) के तत्वावधान में 'उभरते हुए नेता पैनल चर्चा' 27 से 28 अगस्त 2025 तक दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि में आयोजित की गई । इस कार्यक्रम में 19 सदस्य देशों के प्रतिनिधि एक मंच पर आए, जिससे युवा नौसेना के नेताओं को विचारों का आदान-प्रदान करने, अनुभव साझा करने और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग के भविष्य पर विचार-विमर्श करने के लिए एक समावेशी मंच मिला।

दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल वी. श्रीनिवास ने मुख्य भाषण देते हुए विचारोत्तेजक चचाओं का मंच तैयार किया। उनके संबोधन ने हिंद महासागर क्षेत्र में संवाद, आपसी विश्वास और सहयोगात्मक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

दो दिवसीय कार्यक्रम में चार विषयगत सत्र शामिल थे। उद्घाटन सत्र में हिंद महासागर क्षेत्र के सामरिक

महत्व और युवा अधिकारियों के दृष्टिकोण से सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई। इसमें हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, समुद्री व्यापार सुरक्षा, जलवायु प्रभाव और भू-राजनीतिक गतिशीलता से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया और साथ ही इन चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर युवा अधिकारियों के नवोन्मेषी दृष्टिकोणों को भी शामिल किया गया।

दूसरा सत्र 'समुद्री सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों' पर केंद्रित था, जिसमें प्रतिभागियों ने समुद्री सुरक्षा के समर्थन में समुद्री टोही, एआई-सक्षम प्रणालियों, मानवरहित प्लेटफार्मों, साइबर खतरों और अंतरिक्ष-आधारित निगरानी में उभरती प्रौद्योगिकियों का पता लगाया।

दूसरे दिन की शुरूआत 'समुद्री सुरक्षा की दिशा में सहयोग को बढ़ावा देने में आईओएनएस की भावी भूमिका' विषय पर तीसरे सत्र से हुई। पैनलिस्टों ने क्षेत्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए बेहतर अंतर-संचालन, संयुक्त अभ्यास और पेशेवर आदान-प्रदान की आवश्यकता पर जोर दिया। अंतिम सत्र में 'आईओएनएस देशों के बीच प्रशिक्षण क्षमताओं का दोहन - भविष्य की रूपरेखा' पर चर्चा हुई। चर्चाएँ संसाधनों के एकत्रीकरण, प्रशिक्षण संबंधों के विस्तार और सामूहिक तैयारी को बढ़ाने के लिए साझा ढाँचे के विकास पर केंद्रित रहीं।

पैनल चर्चाओं के अलावा, सांस्कृतिक और सामाजिक संवाद भी आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों को केरल की समुद्री विरासत का अनुभव करने और व्यक्तिगत सौहार्द बढ़ाने का अवसर मिला। पेशेवर संवाद और अनौपचारिक मेल-मिलाप के मिश्रण ने विचारों के समग्र आदान-प्रदान को समृद्ध बनाया।

डाक विभाग ने भारत के डिजिटल पता प्रणाली को उन्नत बनाने के लिए मैपमाईइंडिया के साथ साझेदारी की

(जीएनएस)।

संचार मंत्रालय के डाक विभाग (डीओपी) ने अवस्थिति प्रौद्योगिकी, आईओटी और भू-स्थानिक समाधान प्रदान करने वाली कंपनी, मैपमाईइंडिया-मैपल्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य डिजिपिन के विकास और कार्यान्वयन में सहायता के लिए मैपमाईइंडिया के मानचित्रण प्लेटफॉर्म और उत्पादों का उपयोग करना है।

डाक भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में डाक विभाग और मैपमाईइंडिया-मैपल्स के नामित प्रतिनिधियों ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

समझौते की शर्तों के तहत, मैपमाईइंडिया "अपने डिजिपिन को जानें" अनुप्रयोग में एकीकरण के लिए आधार मानचित्र प्रदान करेगा, जिससे उपयोगकताओं के लिए दृश्यता बढ़ेगी और भौगोलिक स्थान के आधार पर सटीक डिजिपिन तैयार करना संभव होगा। इसके अलावा, मैपल्स अनुप्रयोग में डिजिपिन कार्यक्षमता को शामिल किया जाएगा, जिससे उपयोगकर्ता डिजिपिन का उपयोग करके स्थानों की खोज कर सकेंगे। मैपमाईइंडिया अपने डेटाबेस में पहले से ही पहचान किये गये पतों पर डिजिपिन के आवंटन की सुविधा भी प्रदान करेगा, जिससे अवस्थिति-आधारित सेवाओं को मजबूती मिलेगी और विभिन्न प्लेटफॉर्म पर डिजिपिन को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर, डाक विभाग के सदस्य (संचालन) श्री हरप्रीत सिंह ने कहा, "यह साझेदारी डिजिपिन की

पहुँच और सुगमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी। मैपमाईइंडिया के मानचित्रण प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण करके, हम एक मानकीकृत डिजिटल पता प्रणाली बना रहे हैं जिससे लाखों नागरिकों को लाभ होगा और कुशल सेवा वितरण के लिए भारत की डिजिटल अवसंरचना को मजबूती मिलेगी।"

मैपमाईइंडिया मैपल्स के सह-संस्थापक और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री राकेश वर्मा ने कहा, "मैपमाईइंडिया मैपल्स को पूरी तरह से स्वदेशी राष्ट्रीय डिजिटल पता प्रणाली विकसित करने के लिए डाक विभाग के साथ हाथ मिलाने पर गर्व है। डाक विभाग के डिजिपिन अनुप्रयोगों में एकीकृत होने के बाद, एपीआई और एसडीके का मैपमाईइंडिया मैपल्स सूट, डिजिपिन से संबंधित विभिन्न सेवाओं और समाधानों के निर्माण द्वारा अरबों भारतीय नागरिकों और व्यवसायों को सशक्त बनाएगा, साथ ही मैपल्स ऐप के माध्यम से उन तक निर्बाध पहुँच भी सुनिश्चित करेगा।"

सरकार ने सैन्य प्रशिक्षण से मेडिकल बोर्ड-आउट अधिकारी कैडेटों के लिए ईसीएचएस सुविधाओं के लिए मंजूरी दी

(जीएनएस)।

सरकार ने सशस्त्र बलों की गरिमा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उन अधिकारी कैडेटों को पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) सुविधा प्रदान करने को मंजूरी दे दी है, जो सैन्य प्रशिक्षण की वजह से या उसके कारण उत्पन्न चिकित्सा आधार पर प्रशिक्षण से वंचित (बोर्ड-आउट) रह जाते हैं। देश की सेवा करने की आकांक्षा से एनडीए, ओटीए और आईएमए जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल होने वाले कैडेट अक्सर आजीवन विकलांगता का सामना करते हैं, लेकिन वर्तमान में वे ईसीएचएस के लिए पात्र नहीं हैं क्योंकि उन्हें पूर्व सैनिक (ईएसएम) का दर्जा नहीं दिया जाता है।

यह कदम उन कैडेटों पर लागू है जिन्हें प्रशिक्षण पूरा होने से पहले ही चिकित्सा आधार पर प्रशिक्षण से वंचित कर दिया गया है। भविष्य में इसी तरह के मामलों में भी इसका विस्तार किया जा सकता है। मानवीय प्रकृति और परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने अन्य श्रेणियों के लिए कोई मिसाल कायम किए बिना ऐसे कैडेटों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल को मंजूरी दी है। ईसीएचएस सुविधाओं की मंजूरी निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी :

ईसीएचएस की सदस्यता के लिए आवेदन करें और ईसीएचएस नियमों को स्वीकार करें

केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए सुविधा

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स से निःशुल्क ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाएं

ईसीएचएस पैनलबद्ध अस्पतालों में कैशलेस ओपीडी/आईपीडी/जांच का लाभ उठाएं

किसी अन्य सरकारी स्वास्थ्य योजना का सदस्य नहीं होना चाहिए।

ईसीएचएस योजना में शामिल होने के लिए अधिकारी कैडेटों से एकमुश्त सदस्यता शुल्क (अर्थात ईएसएम अधिकारियों के लिए वर्तमान में लागू 1.20 लाख रुपये) नहीं लिया जाएगा।

यद्यपि प्रतिवर्ष कुछ कैडेट प्रभावित होते हैं, फिर भी उनके परिवारों पर आर्थिक और भावनात्मक बोझ काफी अधिक होता है। ऐसे मामलों में, ऐसे कैडेटों को मासिक अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, विकलांगता की सीमा (20 प्रतिशत से 100 प्रतिशत) के आधार पर, ऐसे कैडेटों को मासिक अनुग्रह राशि भी प्रदान की जाती है। इस अनुमोदन के साथ, ये कैडेट अब ईसीएचएस के अंतर्गत कैशलेस और कैपलेस स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के पात्र होंगे।

ईसीएचएस की शुरूआत अप्रैल 2003 में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए सशस्त्र बलों तथा देश भर के निजी सूचीबद्ध/सरकारी अस्पतालों के विद्यमान चिकित्सा ढांचे का उपयोग करके की गई थी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

उत्तर पूर्व रेलवे के गोरखपुर-गोंडा खंड एवं गोरखपुर-आनन्द नगर खंड में ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

मुंबई, गोरखपुर-डोमिनगढ़ स्टेशनों के बीच तृतीय लाइन कमीशनिंग कार्य तथा गोरखपुर-नकहा जंगल स्टेशनों के बीच डबलिंग कार्य हेतु उत्तर पूर्व रेलवे पर 22 सितंबर से 26 सितंबर, 2025 तक ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त, आंशिक रूप से निरस्त तथा परिवर्तित मार्ग से चलेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त होने वाली ट्रेनें:

1. 26 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15068 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

2. 24 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15067 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

3. 28 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

4. 25 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15045 गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट/आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनें:

1. ट्रेन संख्या 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस 23 से 26 सितंबर, 2025 तक वाराणसी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन वाराणसी और गोरखपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2. ट्रेन संख्या 19490 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस 24 से 27 सितंबर, 2025 तक वाराणसी स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन गोरखपुर और वाराणसी के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

3. ट्रेन संख्या 19091 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर हमसफर एक्सप्रेस 22 सितंबर, 2025 को वाराणसी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन वाराणसी और गोरखपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

4. ट्रेन संख्या 19092 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस 23

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में डाउन लाइन पर ब्रिज संख्या 17 पर बारिश के चलते मिसअलाइमेंट होने के कारण रेल यातायात स्थगित किया गया है। जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त ट्रेनें:-

1. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19223 साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

2. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 12478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा- जामनगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19415 साबरमती-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

4. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

5. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस-शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया ६६६.ील्ल०४१८.ल्ललि१ं.ॅङ्५.ल्ल

पश्चिम रेलवे द्वारा चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराए पर 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09189/09190 मुंबई सेंट्रल - कटिहार (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल - कटिहार स्पेशल को 27 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09190 कटिहार - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 30 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09049/09050 दादर - भुसावल (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09049 दादर - भुसावल स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09050 भुसावल - दादर स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09051/09052 दादर - भुसावल (त्रि-साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09051 दादर-भुसावल स्पेशल को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09052 भुसावल-दादर स्पेशल को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09057/09058 उधना-मंगलुरु (द्वि-साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09057 उधना-मंगलुरु स्पेशल को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलुरु-उधना स्पेशल को 1 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09189, 09049, 09051 एवं 09057 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 1 सितम्बर, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 31 अगस्त, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई, पश्चिम रेलवे का मुंबई सेंट्रल (मेन) स्टेशन पर 30/31 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार/रविवार यानी 30/31 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को मुंबई सेंट्रल (मेन) स्टेशन की सभी लाइनों पर 00:30 बजे से 04.00 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 31 अगस्त, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

भावनगर रेलवे मंडल पर 'मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन शिविर' का आयोजन

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में रनिंग स्टाफ एवं अन्य विभागों के सभी कर्मचारियों के लिए 'मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन शिविर' का आयोजन किया गया। यह शिविर 29 अगस्त, 2025 (शुक्रवार) को भावनगर परा स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित हुआ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार यह शिविर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस आयोजन का संचालन स्थापना विभाग की वेलफेयर टीम द्वारा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन की अगुवाई एवं उनके दिशा-निर्देशों में कर्मचारी हित निधि (एसबीएफ) से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप

प्रज्वलन से किया गया। इसके उपरांत 'तनाव मुक्त जीवन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रम्ह कुमारी संस्थान, भावनगर के प्रतिनिधियों ने जीवन में मानसिक तनाव को दूर करने की विभिन्न विधियाँ बताईं तथा योग और प्राणायाम को जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा ने अपने प्रासंगिक उद्बोधन में कर्मचारियों को सकारात्मक सोच एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अधिकारियों के साथ भावनगर मंडल के लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, गुड्स गार्ड सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरूष कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन भारी बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में डाउन लाइन पर ब्रिज संख्या 17 पर भारी बारिश के चलते मिसअलाइमेंट होने के कारण रेल यातायात स्थगित किया गया है। जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त ट्रेनें:-

1. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 19223 साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

2. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 19027 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 12473 गांधीधाम-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

4. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पूजा स्पेशल ट्रेनों से सफर होगा आसान, 2024 अतिरिक्त ट्रिप्स की अधिसूचना जारी

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही रेल यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जाती है। इसी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए हजारों विशेष ट्रेन सेवाओं के संचालन का फैसला लिया है। बिहार जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए ही 12000 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई जा चुकी है। जिन ट्रेनों के संचालन की योजना बन चुकी है उनका नोटिफिकेशन भी अब जारी किया जाना प्रारंभ हो चुका है। 21 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक कुल 150 पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है जिनके माध्यम से कुल 2024 अतिरिक्त फेरे (ट्रिप्स) सुनिश्चित किए जाएंगे।

भारतीय रेल द्वारा यह निर्णय त्योहारों के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और उन्हें अपने प्रियजनों के साथ उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। विशेष रूप से उत्तर भारत, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के बड़े स्टेशनों से चलने वाली इन ट्रेनों से महानगरों और ग्रामीण इलाकों के बीच बेहतर संपर्क सुनिश्चित किया गया है।

पूजा स्पेशल इन ट्रेनों की श्रृंखला के तहत दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सर्वाधिक 48 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो 684 ट्रिप्स पूरा करेंगी। इन ट्रेनों का संचालन मुख्यतः हैदराबाद, सिकंदराबाद और विजयवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों से किया जाएगा। पूर्व मध्य रेलवे ने 14 ट्रेनें अधिसूचित की हैं, जो पटना, गया, दरभंगा और मुज़फ़्फ़रपुर जैसे बिहार के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी और कुल 588 ट्रिप्स लगाएंगी। पूर्व रेलवे द्वारा कोलकाता, सियालदह, हावड़ा जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों से 24 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनके मदद से 198 ट्रिप्स संचालित होंगी।

वहीं पश्चिम रेलवे ने मुंबई, सूरत, वडोदरा जैसे शहरों से 24 स्पेशल ट्रेनें घोषित की हैं जो 204 ट्रिप्स पूरी करेंगी। दक्षिण रेलवे द्वारा चेन्नै, कोयंबतूर, मदुरै जैसे स्टेशनों से 10 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनसे 66 ट्रिप्स होंगी। इसके अलावा पूर्व तट रेलवे से भुवनेश्वर, पुरी और सम्बलपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे से रांची, टाटानगर, उत्तर मध्य रेलवे से प्रयागराज, कानपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से बिलासपुर, रायपुर और पश्चिम मध्य रेलवे से भोपाल, कोटा जैसे स्टेशनों को जोड़ते हुए विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी।

स्पेशल ट्रेनों की सूची, समय सारणी, रूट और ठहराव की विस्तृत जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, क्षेत्रीय और नजदीकी रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे इन विशेष ट्रेनों में यात्रा करने के लिए अग्रिम बुकिंग कराएं और अपने टिकट की पुष्टि सुनिश्चित करें। साथ ही यात्रियों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि सफर के दौरान रेल मंत्रालय द्वारा जारी सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पश्चिम रेलवे चलाएगी वडोदरा - कोलकाता के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा हेतु तथा दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर बढ़ती हुई यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे द्वारा वडोदरा - कोलकाता के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 03110/03109 वडोदरा - कोलकाता साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 03110 वडोदरा - कोलकाता स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वडोदरा से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 04:05 बजे कोलकाता पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 03109 कोलकाता - वडोदरा स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को कोलकाता से 08:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:45 बजे वडोदरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 30 सितम्बर से 25 नवम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, इदगाह आगरा, टुंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर तथा बर्द्धमान स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 03110 की बुकिंग 30 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बन रहे होल्डिंग एरिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

त्योहारों के दौरान बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए बनाए जा रहे हैं ये होल्डिंग एरिया

नई दिल्ली, (जीएनएस)। आज माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एक कार्यक्रम में शामिल होने नई दिल्ली स्टेशन पहुँचे। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में बन रहे होल्डिंग एरिया का जायजा लिया और वहाँ मौजूद अधिकारियों को होल्डिंग एरिया का काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

त्योहारों के दौरान, जब यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है, यात्रियों के सुचारू प्रबंधन के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन परिसर के अजमेरी गेट की ओर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। होल्डिंग एरिया को तीन कार्यात्मक क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा

प्री-टिकटिंग एरियाः 1950 वर्ग मीटर - इस जगह पर व्यस्त समय में लगभग 2700 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकटिंग एरियाः 2288 वर्ग मीटरः इसमें यात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए 3100 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकट-पश्चात क्षेत्रः 1570 वर्ग मीटरः इसमें लगभग 1350 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है, जिससे कतार में लगने, सुरक्षा जाँच और सामान की स्कैनिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है।

इस समर्पित होल्डिंग क्षेत्र में यात्रियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध होंगी:

- 22 टिकट काउंटर
- 2 शौचालय ब्लॉक
- जन संबोधन प्रणाली
- सूचना के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड
- ए आई आधारित निगरानी कैमरे
- सामान स्कैनर
- यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए साइनेज
- मेट्रो कनेक्टिविटी से एकीकृत

वर्तमान में, इस होल्डिंग क्षेत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस होल्डिंग क्षेत्र के निर्माण के दौरान, एटीएम काउंटरों को स्थानांतरित करना, दो इलेक्ट्रिक हाईमास्ट को स्थानांतरित करना, दो मोबाइल टावरों को हटाना, प्रीपेड टैक्सी स्टैंड को स्थानांतरित करना, दिल्ली पुलिस केबिन को स्थानांतरित करना जैसे कई चुनौतीपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

असारवा और कानपुर सेंट्रल के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए असारवा और कानपुर सेंट्रल के बीच विशेष किराये पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 01906/01905 असारवा-कानपुर सेंट्रल-असारवा साप्ताहिक स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 01906 असारवा-कानपुर सेंट्रल स्पेशल 23 सितंबर 2025 से 04 नवंबर 2025 तक असारवा से प्रति मंगलवार 09.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07.00 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। इस तरह ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-असारवा स्पेशल 22 सितंबर 2025 से 03 नवंबर 2025 तक कानपुर सेंट्रल से प्रति सोमवार 08.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05.45 बजे असारवा पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन हिम्मतनगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी, मावली, चंदेरिया, मांडल गढ़, बूंदी, केशोराय पाटन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना और फतेहपुर सीकरी, ईदगाह, टूंडला, फिरोजाबाद तथा इटावा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 01906 की बुकिंग 30 अगस्त 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सरकार ने लाइव इवेंट और कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था पर वार्ता शुरू की, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने नई दिल्ली में संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

लाइव इवेंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक 26 अगस्त को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, नई दिल्ली में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

अपने हाल के संबोधनों में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लाइव मनोरंजन क्षेत्र की विशाल अप्रयुक्त क्षमता पर प्रकाश डाला और रोजगार, निवेश, पर्यटन और भारत के सांस्कृतिक एवं वैश्विक प्रभाव के प्रमुख प्रेरक के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के निर्देशन में जुलाई 2025 में गठित, संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) भारत की कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था को आकार देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों, उद्योग संघों, संगीत अधिकार समितियों और प्रमुख इवेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाता है।

बैठक में सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, युवा कार्यक्रम एवं खेल, कौशल विकास एवं उद्यमिता, वित्त मंत्रालय, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक में महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्य सरकारों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

संयुक्त कार्य समूह की बैठक में ईईएमए, फिक्की, सीआईआई, आईएलईए जैसे उद्योग संघों और बुकमाईशो, विज़क्राफ्ट, सारेगामा, डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो, टचवुड एंटरटेनमेंट लिमिटेड सहित सभी प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। बैठक में आईपीआरएस, पीपीएल, आरएमपीएल और आईएमआई ट्रस्ट सहित अधिकार संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्य परिणाम

एकल खिड़की प्लेटफार्मः व्यापार में आसानी के लिए इंडिया सिने हब पोर्टल में लाइव इवेंट क्लीयरेंस का एकीकरण।

संगीत लाइसेंसिंग और आईपी अधिकारः अधिकार समितियों के सहयोग से अक्टूबर 2025 तक एक केंद्रीकृत डिजिटल संगीत लाइसेंसिंग रजिस्ट्री का शुभारंभ।

बुनियादी ढांचे का विकासः लाइव कार्यक्रमों के लिए स्टेडियमों और सार्वजनिक स्थानों के बहु-उपयोग की अनुमति देने और राज्यों में नए हरित क्षेत्र स्थल विकास को बढ़ावा देने के लिए एक आदर्श नीति का निर्माण।

कौशल विकास : राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) में लाइव मनोरंजन कौशल को शामिल करना।

वित्तीय प्रोत्साहन : लाइव मनोरंजन क्षेत्र के लिए जीएसटी छूट, मिश्रित वित्त मॉडल, सब्सिडी और एमएसएमई मान्यता पर विचार।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने 2030 तक भारत को दुनिया के शीर्ष 5 लाइव मनोरंजन स्थलों में से एक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिससे 1.5-2 करोड़ रोजगार सृजित होंगे, इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होगा और भारत के वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव को मजबूत किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त कार्य समूह, इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर के इंजन के रूप में कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था का दोहन करने के लिए मिशन मोड में काम करेगा।

पृष्ठभूमि

भारत का लाइव मनोरंजन बाजार, 2024 में 20,861 करोड़ रुपये के समतुल्य था और जो सालाना 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, मीडिया और मनोरंजन उद्योग के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। टियर-1 और टियर-2 शहरों में बढ़ती मांग, बढ़ते संगीत पर्यटन और प्रीमियम दर्शकों के अनुभवों के साथ, यह क्षेत्र भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभर रहा है।

संयुक्त कार्य समूह समय-समय पर उप-समूहों की प्रगति पर नजर रखने और समेकित नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए बैठकें करेगा, जो वेव्स 2025 शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत श्वेत पत्र "भारत की लाइव इवेंट अर्थव्यवस्थाः रणनीतिक विकास की एक अनिवार्यता" पर आधारित होगी।

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आईआईआईटी-दिल्ली टेक फेस्ट में युवाओं को 'विश्वगुरु भारत' बनाने के आह्वान के साथ मंत्रमुग्ध किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आईआईआईटी-दिल्ली के टेक फेस्ट 'ह्वाईएसवाईएल्ल' में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए युवाओं से ह्यविश्वगुरु भारतह्व के रूप में भारत के उदय में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

सदी के लिए निर्माण

प्रौद्योगिकी पर बोलते हुए उन्होंने एआई की भूमिका दोहराई और कहा कि जिस प्रकार 40 वर्ष सूचना प्रौद्योगिकी ने परिवर्तन किया, वैसा ही

भारत के नेतृत्व करने का जोरदार आह्वान किया। भारत के वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में भारत की गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए श्री सिंधिया ने कहा, "आर्यभट्ट के शून्य से लेकर सुश्रुत के शल्य चिकित्सा विज्ञान और शल्य चिकित्सा में हुई उन्नति तक, नालंदा और तक्षशिला ने दुनिया भर से ज्ञान के जिज्ञासुओं को अपनी ओर आकर्षित किया। ज्ञान की यह खोज हमारे डीएनए में है। हार्वर्ड का सबसे बड़ा पुस्तकालय भी नालंदा के सामने फीका पड़ जाता है। वह चिंगारी आज भी हमारे भीतर मौजूद है।"

टेक फेस्ट को "साहसिक सपनों को हकीकत में बदलने का लॉन्चपैड" बताते हुए सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का उदय इसके युवाओं के कंधों पर टिका है।

एआई, 6जी और क्वांटमः अगली सदी के लिए निर्माण ... आज एआई करेगा। लेकिन कार्य केवल एआई का निर्माण करना नहीं है, बल्कि ह्यसभी के लिए ज़िम्मेदार एआईह्व का बनाना है, जो मानवता को ऊंचा उठाए, न कि उस पर हावी हो। श्री सिंधिया ने अग्रणी प्रौद्योगिकियों में भारत की बढ़ती नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीटीडीएफ) ने पहले ही 120 से अधिक भविष्योन्मुखी परियोजनाओं में निवेश किया है, जिनमें क्वांटम कंप्यूटिंग, टेराहर्ट्ज़ संचार, बायो-नैनो सिस्टम, स्वदेशी चिपसेट और एन्क्रिप्टेड राउटर शामिल हैं। उन्होंने पुनः पुष्टि की कि भारत का लक्ष्य 6जी में वैश्विक अग्रणी बनना है और 2030 तक विश्व के कुल पेटेंट में कम से कम 10 प्रतिशत योगदान देना है और इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का केंद्र भारत के विद्यार्थी ही हैं।

मूल्यों को केंद्र में रखें : भारत के लिए निर्माण

श्री सिंधिया ने छात्रों को याद दिलाया कि भारत का उदय इसके सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित है : "हम एक ऐसा देश हैं जिसने कभी युद्ध की बात नहीं की, जो वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करता है।" उन्होंने छात्रों से भारत के लिए ऐसे समाधान बनाने का आग्रह किया, जो सटीक कृषि का इंतजार कर रहे किसान, डिजिटल कक्षा में पढ़ रहे बच्चे और टेली-हेल्थ पर निर्भर छोटे शहर के रोगी के लिए हों।

ब्रेन ड्रेन से ब्रेन गेन की ओर

भविष्य के उन नवप्रवर्तकों को संबोधित करते हुए जो विदेश में अध्ययन कर सकते हैं, श्री सिंधिया ने उनसे विश्व की कि वे सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में अध्ययन करें, सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशालाओं में काम करें, लेकिन अपने ज्ञान और अपनी महत्वकांक्षा को लेकर घर वापस आएं और भारत को फिर से 'सोने की चिड़िया' बनाएं, ब्रेन ड्रेन को ब्रेन गेन में बदलें।

बीआरबी के तीन मंत्र

अंत में उन्होंने युवाओं को तीन मार्गदर्शक सिद्धांत दिएः "साहसी बनो, अपनी जड़ों से जुड़े रहो और भारत के लिए निर्माण करो", जिस पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होंने कहा, "अगले 100 वर्षों का अवसर भारत में निहित है। एशिया की, भारत की उस भावना को आगे बढ़ाइए जो विश्व मंच पर प्रकाशमान हो"।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश के कार्यालय भवन का शिलान्यास

सफेद बारादरी में नवरात्री स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ

लखनऊ 29 अगस्त 25

नवरात्री स्पेशल कलेक्शन के साथ कॉटन एंड सिल्क फैब ने कैसरबाग सफेद बारादरी में नवरात्री स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष, रेडक्रास सोसाइटी के मेंबर एवं गैलेंट्री अवॉर्ड से पुरस्कृत श्री अमरनाथ मिश्रा ने फीता काटकर दस दिवसीय कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी आयोजक श्री

मानस आचार्य, श्री जावेद मकसूद ने मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

29 अगस्त से 7 सितंबर तक आयोजित की गई है। मुख्य अतिथि श्री अमरनाथ मिश्रा ने पूरी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यहां लगे विभिन्न स्टालों पर जाकर परिधानों की जानकारी ली। श्री अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि त्यौहार के मौके पर इस तरह से एक छत के नीचे महिलाओं के लिए अलग अलग परिधान उपलब्ध कराना आयोजक का सराहनीय कार्य है। उन्होंने स्वदेशी का जिक्र करते हुए कहा कि हम सभी लोगों को स्वदेशी का बढ़ावा देना चाहिए। प्रदर्शनी में 100% शुद्ध प्राकृतिक रेशों (रेशमी, कपास, लिनन) पूरे भारत से सीधे हथकरघा उत्पाद सभी प्रकार के हैं। बनारसी, तस्सर कांथा एवं मुद्रित, गढ़वाल, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा, जयपुर बगरू प्रिंट्स,

बेंगलुरु शुद्ध क्रेप सिल्क्स, कलमकार, कांचीपुरम, पोचमपल्ली इक्कत/वेंकटगिरी/नारायणपेट/उप्पादा जामधानी / पैठानी / कोलकाता बुटीक / चंपा कोसा साड़ी और कॉटन साड़ी और ड्रेस सामग्री / लाइफ स्टाइल गारमेंट्स हैंडलूम उत्पादों की लगी इतनी सारी प्योर वैरायटी एक ही छत के नीचे प्रदेश के विभिन्न राज्यो के उत्पाद लखनऊ वासियों को किफायती दामों में उपलब्ध होते हैं। इस प्रदर्शनी में विभिन्न राज्यो से आये बुनकरों के उत्पाद अपने आप मे अलग पहचान रखते हैं।

रेलवे लाइन बन जाए तो फतेहपुर वासियों का संवर जाय भविष्य

-परियोजना को लेकर एक बार फिर से लोगों में जागी आशाएं

(जीएनएस)।

प्रेमनगर। ऊंचाहार जक्शन रायबरेली से खागा, खागा से कमासिन तथा कमासिन से अतर्रा, अतर्रा से सागर रेलवे लाइन यदि बन जाए तो फतेहपुर वासियों का भविष्य संवर जाय। यह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लोगों के लिए विकास की रेलवे लाइन होगी।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने बताया कि ब्रिटिश शासनकाल में फतेहपुर और अतर्रा रेलवे स्टेशन को जक्शन का आधार बनाकर परियोजना की एक लकीर तो खींची गई, लेकिन लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका में यह परियोजना जंग खा गयी और फाइलों में कैद होकर रह गई है। इसके बाद की कई ऐसी परियोजनाएं हैं जहां पर रेलगाड़ियां फराटें भर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांदा आगमन को लेकर एक बार फिर से परियोजना को लेकर लोगों में आशाएं जागी हैं।

ब्रिटिश हुकुमत ने क्षेत्रीय बदहाली को देखते हुये सन 1913 में अतर्रा को जंक्शन का आधार बना सागर से फतेहपुर तक रेल लाइन बिछाने का प्रस्ताव किया था। सन 1917 में दो सर्वे कराकर अंतिम परियोजना के रूप में उत्तरप्रदेश-मध्यप्रदेश राज्यों को जोड़ते हुये गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली राजापुर से कमासिन-बबेरू-बिसंडा-पुनाहुर-अतर्रा-नरैनी-करतल में निशानदेही के रूप में पत्थर गाड़ दिये तथा आवागमन का कोई अन्य साधन न होने पर मध्यप्रदेश के सागर से जोड़ने की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी। यह भी बताया जा रहा है कि इसके लिये भू-स्वामियों को मुआवजा तक दे दिया गया था। तत्कालीन डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के सदस्य पं.दुर्गाप्रसाद वैद्य द्वारा रेलवे बोर्ड को स्वीकृति हेतु जनवरी 1923 में अनुमति हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था। सन 1927 में मेसर्स सपूर जी गाडवोल एण्ड कंपनी बांबे को रेल लाइन बिछाने का ठेका दिया गया। तत्काल 31 लाख 78 हजार 49 रुपया अनुमानित लागत तय की गयी। ठेकेदार कंपनी ने अतर्रा रेलवे स्टेशन के केन नहर तक खाली पड़ी जमीनों में नई रेल लाईन बिछाने के उपकरण, पटरियां आदि रखवा दिया। सन 1936 में पटरी बिछाने को मिट्टी डालने का काम शुरू हो गया, लेकिन सन 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध शुरू होने के चलते सारे विकास कार्य रोक दिये गये और अतर्रा में रखे उपकरणों को दूसरी जगह भेज दिया गया। युद्ध समाप्त होने के बाद सागर-फतेहपुर रेल परियोजना पूरी तरह जंग खा गई।

बिजनौर के झालू उपकेंद्र पर वज्रपात, डिस्प्ले लाइटें अचानक जली-बुझीं

(जीएनएस)। / शारिक जैदी

बिजनौर।

झालू स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से हड़कंप मच गया। बिजली घर पर लगे विद्युत उपकरण अचानक से जलने-बुझने लगे, जिससे वहां मौजूद कर्मचारी सतर्क हो गए और उच्चाधिकारियों को तत्काल इसकी जानकारी दी।

अवर अभियंता सुदेश कुमार ने बताया कि उपकेंद्र पर अचानक आकाशीय बिजली गिरने से उपकरणों में लगी डिस्प्ले लाइटें जलने-बुझने लगीं। इस दौरान कर्मचारियों ने किसी बड़े हादसे से बचने के लिए आवश्यक एहतियात बरते। वहीं द्वितीय विद्युत उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार बिंद ने पुष्टि करते हुए कहा कि बिजलीघर पर वज्रपात हुआ है। फिलहाल यह आकलन किया जा रहा है कि किन उपकरणों को नुकसान

हुआ है और कौन से सुरक्षित हैं।

उन्होंने नगर व आसपास के क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की कि संभावित तकनीकी खराबी दूर करने में विभाग को सहयोग दें। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होते ही आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्य तत्काल शुरू किया जाएगा, ताकि विद्युत आपूर्ति सामान्य की जा सके।

समस्याओं से जूझ रहे मलकनपुर गांव के ग्रामीणों का प्रधान पर फूटा गुस्सा

(जीएनएस)।

फतेहपुर। ऐरायां ब्लॉक के मलकनपुर मजरे ऐरायां सादात गांव के ग्रामीण समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने प्रधान पर नाराजगी जाहिर करते अपनी-अपनी समस्याएं महिलाएं और पुरुषों ने बारी-बारी से गिनाई हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में नाली-खड़ंजा न होने के कारण उन्हें कीचड़युक्त पानी से निकलना पड़ता है। बारिश के दिनों में स्थिति यह हो जाती कि रास्तों का पानी उनके घरों में घुसने लगता है। शौचालय के लिए उन्हें जंगल जाना पड़ता है। शादी-विवाह सहित अन्य कार्यक्रमों में रिश्तेदार आने में कतराते हैं। शादी के लिए उन्हें खेतों में मंडप लगाना पड़ता है। रास्ता सही न होने के कारण बच्चे स्कूल जाने में आनाकानी करते हैं।

ग्रामीणों ने बताई समस्याएं

कुंवारियां ने बताया कि वह कालोनी की मांग की, लेकिन उसे अब तक नहीं मिली। गांव के भैरों प्रसाद ने बताया कि गांव में सबसे बड़ी समस्या शौचालय की है। शौचालय न होने के कारण यहां की बहन-बेटियों को खुले में शौच करने को मजबूर हैं। जबकि अपात्रों को शौंचालय दिए जा चुके हैं। कंधईलाल ने बताया कि हैंडपंप खराब होने के कारण उन्हें पानी दूर लेने जाना पड़ता है। सविता देवी ने बताया कि उनकी पुत्री की शादी रही, दूर के खेत पर मंडप लगाकर शादी की। गांव की सवितादेवी, कलुई देवी, सुमित्रादेवी, निशादेवी, महेश कुमार, वीरेद्र, उमेश, रामशंकर, जगतपाल, कुलदीप, ज्ञानसिंह, कन्हैयालाल, विजय, चंद्रपाल, रामदीन ने बताया कि समस्या के लिए ग्राम प्रधान से अपील की, लेकिन वह हमेशा अनसुनी करते चले आ रहे हैं। मामले में ग्राम विकास अधिकारी अर्पण ने फोन काट दिया, ग्राम प्रधान फामार्नुल हक ने बताया कि बजट आने के बाद गांव की समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा।

छात्रों में पढ़ने की आदत बढ़ाने को प्रशासन ने खोले 16 डिजिटल पुस्तकालय

(जीएनएस)। / शारिक जैदी

बिजनौर।

जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर जिले में डिजिटल पुस्तकालयों के संचालन को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह ने बताया कि नगर निकाय क्षेत्रांतर्गत 09 स्थायी और 07 अस्थायी पुस्तकालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य आमजन और विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि बढ़ाना है।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद बिजनौर, धामपुर, स्योहारा, शेरकोट, अफजलगढ़, नजीबाबाद, नूरपुर, चांदपुर और नगर पंचायत सहसपुर, झालू,

डिजिटल लाइब्रेरी नगर पंचायत, साहनपुर

साहनपुर व जलालाबाद के पुस्तकालय संचालित हो रहे हैं। बिजनौर में वर्ष 1925 से दुष्यंत कुमार पुस्तकालय और नजीबाबाद में वर्ष 1916 से सरस्वती पुस्तकालय निकाय क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। वहीं, हल्दौर और स्योहारा में वित्त आयोग से तथा सहसपुर और जलालाबाद में अलग-अलग फंड से डिजिटल पुस्तकालयों का निर्माण कराया गया है।

सितंबर माह से इन पुस्तकालयों की सुविधाएं आमजन व विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होंगी। एडीएम ने बताया कि वार्षिक योजना 2025-26 में बिजनौर, नहटौर, किरतपुर, चांदपुर और बढ़ापुर में नए पुस्तकालयों के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।

अजरौली हत्याकांडः सरदार सेना अध्यक्ष पुलिस ने रोका, कई नेता पहुंचे गांव

फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के अजरौली गांव में बीते दिनों हुई केशपाल सिंह की हत्या तथा बीरभान सिंह व रामलखन सिंह के धारदार हथियार से घायल होने की घटना पर राजनीति तेज हो गई है। मृतक के परिवार व घायलों का हालचाल लेने नेताओं का तांता लगना शुरू हो गया है।

शुक्रवार देर शाम सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.वाई.एस. पटेल के गांव आने की सूचना पर पुलिस अलर्ट हो गई। खागा, विजयीपुर, रक्षपालपुर, रमपुरवा, टेकारी, हेनोता मोड़, सैनी व मंझनपुर समेत कई स्थानों पर पुलिस बल तैनात कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई। जैसे ही पटेल का काफिला कोखराज टोल प्लाजा पहुंचा, पुलिस ने उन्हें रोककर थाना ले आई और कुछ देर बाद वापस बनारस भेज दिया। वहीं कौशांबी सीमा से आ रही सरदार सेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या मीना भारती को भी पुलिस ने रोक लिया। इसके बावजूद सैकड़ों की संख्या में नेता व कार्यकर्ता कच्चे रास्तों से होते हुए गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिले। लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन उन्हें रोककर सच्चाई छिपाना चाहता है। वहीं परिवार का कहना था कि अलग-अलग तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई थी, लेकिन पुलिस ने एक ही मुकदमे में दर्ज की। थाना अध्यक्ष योगेश कुमार सिंह व सीओ बृजमोहन राय ने बताया कि आरोपियों पर 302, 307 सहित गंभीर धाराओं में कार्रवाई हुई है। भीड़ अधिक होने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका पर नेताओं को रोका गया।

शिक्षा मंत्रालय ने तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए एचईएफए के तहत 385.27 करोड़ रुपये के वित्तपोषण को मंजूरी दी

(जीएनएस)।

शिक्षा मंत्रालय ने तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूटीएन), तिरुवरुर में महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) के माध्यम से 385.27 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय को मंजूरी दी है।

नए तौर पर स्वीकृत इस धनराशि से तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय को नई शैक्षणिक और आवासीय सुविधाओं का निर्माण करने में मदद मिलेगी, जिसमें एक अत्याधुनिक शैक्षणिक ब्लॉक, छात्रों और शोधार्थियों के लिए अतिरिक्त छात्रावास, और शिक्षक/कर्मचारी आवास शामिल हैं। उन्नत अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक समर्पित विज्ञान उपकरण केंद्र भी स्थापित किया जाएगा।

एचईएफए द्वारा वित्तपोषित परियोजना को मुख्यतः शिक्षा मंत्रालय के अनुदानों के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

मंजूरी के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में शामिल हैं:

नए शैक्षणिक भवन का निर्माण- - 96.40 करोड़ रुपये, 300 बिस्तरों वाला गर्ल्स हॉस्टल - 46.63 करोड़ रुपये, 300 बिस्तरों वाला बॉयज हॉस्टल - 46.91 करोड़ रुपये, वैज्ञानिक उपकरण केंद्र - 19.95 करोड़ रुपये, वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद - 16.84 करोड़ रुपये, प्रशासनिक भवन का विस्तार - 46.16 करोड़ रुपये

शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए क्वार्टर (सभी श्रेणियां) - 62.97 करोड़ रुपये

400 बिस्तरों वाला रिसर्च स्कॉलर हॉस्टल - 42.60 करोड़ रुपये

इस महत्वपूर्ण निवेश से विश्वविद्यालय का शिक्षण इको-सिस्टम समृद्ध होगा, छात्रों और शोधार्थियों के लिए आवासीय सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा तथा आधुनिक प्रयोगशालाएं और उपकरण उपलब्ध होंगे। इससे तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक समुदाय की उभरती जरूरतों को पूरा करने और राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा के विकास में अपनी भूमिका का समर्थन करने के लिए पूरी तरह सुसज्जित और समर्थ होगा।

बिना नामदारों को आवासीय पट्टा देने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

-लेखपाल और प्रधान के खिलाफ एसडीएम से की शिकायत

(जीएनएस)।

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के ऐरायां मशायक गांव के ग्रामीणों ने बिना नामदारों को आवासीय पट्टा देने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से और पोर्टल पर शिकायत की है।

गांव निवासी मोहम्मद मुस्तफा, फिरोज आलम, मोहम्मद सज्जाद, मोहम्मद हलीम ने उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव में आवासीय पट्टा का आवंटन हुआ था। इसमें नामदार आवासों की सूची जारी हुई। गांव में नवीन परती भूमि है। उनका आरोप हैकि उक्त परती भूमि पर लेखपाल और ग्राम प्रधान ने मिलकर नामदार आवासियों को वंचित करके बिना नामदारों को अवैध रूप से पट्टा देकर कब्जा करा दिया है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को नामदार आवासों की सूची देकर लेखपाल और ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। ग्राम प्रधान वीरेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि बिना नामदारों को पट्टा दिया ही नहीं गया, बात पूर्ण रूप से असत्य है। मामले में उपजिलाधिकारी अभिनीत कुमार ने लोगों को जांच कराने का आश्वासन दिया।

नाबालिक किशोरी की हत्या के मामले में आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खखरेरू। थाना क्षेत्र के औढेरा गांव की रहने वाली नाबालिक किशोरी को सचिन कुमार उर्फ ननकू को पुत्र सुमर चंद्र विश्वकर्मा के द्वारा शादी का झांसा देकर फिर बाद रिश्तो का हवाला देते हुए शादी से इनकार करने पर नाबालिक किशोरी ने आत्म ग्लानि के चलते 11 अगस्त को सुबह 8:00 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन समय रहते परिजनों को पता चलने पर नाबालिक किशोरी को गंभीर हालत में इलाज के लिए कौशांबी जनपद के सिराथू मंझनपुर सहित एसआरएन हॉस्पिटल प्रयागराज में 11 दिन तक चले इलाज के बाद नाबालिक किशोरी की मौत हो गई परिजनों के तहरीर के अनुसार सुसंगत धाराओं में युवक के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत मुखबिर की सटीक सूचना पर आज सुबह सचिन उर्फ ननकू को चांदपुर औढेरा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की गई।